जयन्त चौधरी
JAYANT CHAUDHARY

सत्यमेव जयते

कौशल विकास और उद्यमशीलता
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं
शिक्षा राज्य मंत्री
भारत सरकार
Minister of State (Independent Charge) for
Skill Development and Entrepreneurship
and Minister of State for Education
Government of India

संदेश

शिक्षक दिवस अपने साथ भारत के पूर्व राष्ट्रपति और आदर्श शिक्षक, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की विरासत को लेकर आता है, जिन्होंने हमें दिखाया कि शिक्षण सेवा के सर्वोच्च रूपों में से एक है। उनका विश्वास था कि शिक्षक समाज के चरित्र का निर्माण करते हैं, और यह दृढ़ विश्वास आज भी हर कक्षा में सत्य सिद्ध होता है।

वर्तमान युग में, जब ज्ञान का हर पल विस्तार होता जा रहा है और तकनीक हमें नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है, ऐसे समय में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे केवल पाठ ही नहीं पढ़ाते बल्कि युवाओं को प्रश्न पूछने का साहस, स्वतंत्र रूप से चिंतन करने का आत्मविश्वास और परिवर्तनशील परिस्थितियों में स्थिरता प्रदान करने वाले मूल्यों का आधार भी प्रदान करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में इस मूल सत्य को स्वीकार किया गया है। इस नीति में शिक्षकों को शैक्षिक रूपांतरण के केंद्र में रखा गया है और इस बात पर बल दिया गया है कि हमारे बच्चों का प्रतिदिन मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को सशक्त बनाए बिना कोई भी सुधार सफल नहीं हो सकता।

विज्ञान, कला, व्यवसाय या लोक जीवन में हर उपलब्धि के मूल में वह शिक्षक होता है जो अपने विद्यार्थी की क्षमता पर विश्वास रखता है। यही वह विश्वास है जो राष्ट्र निर्माण की आधारशिला सिद्ध होता है। शिक्षक हमारे युवा नागरिकों को सीमाओं से परे स्वप्न देखने की प्रेरणा और उन्हें साकार करने का अनुशासन व संकल्प प्रदान करते हैं।

शिक्षक दिवस के इस अवसर पर, मैं संपूर्ण भारत के प्रत्येक शिक्षक को हार्दिक बधाई देता हूँ। आपके समर्पण से एक ऐसा भविष्य आकार ले रहा है जो अधिक प्रबुद्ध, अधिक उदार और अधिक सशक्त होगा। हमारे राष्ट्र की प्रगति की नींव आपके द्वारा अपनी कक्षाओं में रखी जाती है, और इसके लिए हम सदैव आपके प्रति कृतज्ञ हैं।

(जयन्त चौधरी)

Office: Room No. 104-A, 'C' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001
Phone : +91-11-23384327, 23381302, E-mail: mosedu-jc@gov.in